Hindi

डिप्थिरिया, टेटेनस, और पर्टुसिस (काली खाँसी)

टीकाकरण सम्बन्धी जानकारी

नेशनल इम्युनाइज़ेशन प्रोग्राम (राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम) शेड्यूल बच्चों को 18 महीने की आयु पर नि:शुल्क डिप्थिरिया, टेटेनस, और काली खाँसी का टीका उपलब्ध कराता है।

डिप्थिरिया

डिप्थिरिया मुँह, गले और नाक में पाए जाने वाले जीवाणु द्वारा होता है। डिप्थिरिया के कारण गले के अंदर में चारों ओर एक झिल्ली विकसित होती है। इससे घूँट लेने में परेशानी व श्वासहीनता हो सकती है और यहाँ तक कि दम घुटने जैसा प्रतीत हो सकता है।

जीवाणु एक विषैला-पदार्थ पैदा करता है जो शरीर में हर तरफ फैल सकता है और इससे गंभीर समस्याएँ पैदा हो सकती हैं जैसे कि लकवा और हृदय की निष्फलता। डिप्थिरिया से संक्रमित लगभग 10% व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है।

कोई व्यक्ति किसी संक्रमित व्यक्ति की खाँसी या छींक से निकलने वाले जीवाणुओं के द्वारा डिप्थिरिया से ग्रस्त हो सकता है।

टेटेनस

टेटेनस मिट्टी, धूल और मल में मौजूद जीवाणु द्वारा होता है। जीवाणु किसी घाव के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है, जोकि सुई चुभने जैसा एक मामूली घाव भी हो सकता है। टेटेनस किसी एक व्यक्ति से किसी दूसरे व्यक्ति में संक्रमित नहीं किया जा सकता है।

टेटेनस अक्सर एक जानलेवा रोग होता है जो तंत्रिका-तंत्र पर आक्रमण करता है। इससे माँस-पेशियों में ऐंठन पैदा होती है जो सबसे पहले गले और जबड़े की माँस-पेशियों में महसूस होती है। टेटेनस के कारण साँस लेने में कठिनाई, पीड़ादायक मरोड़ें और असामान्य हृदय-लय पैदा हो सकती है।

प्रभावी टीकाकरण के कारण ऑस्ट्रेलिया में टेटेनस अब दुर्लभ है, पर यह अभी भी उन व्यक्तियों में पाया जाता है जिन्हें कभी भी इस रोग से प्रतिरक्षित करने का टीका या इसका बूस्टर टीका नहीं लगाया गया हो।

व्हूपिंग कफ (काली खाँसी)

काली खाँसी एक अत्यधिक संक्रामक रोग है जो साँस की नलिकाओं और साँस लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। इस रोग के कारण खाँसी के तेज दौरे आते हैं। इन दौरों के बीच बच्चा साँस लेने के लिए हवा अंदर खींचता है। अक्सर खाँसी के दौरे के बाद उल्टी होती है और खाँसी कई महीनों तक बनी रह सकती है।

काली खाँसी 12 महीनों से कम उम्र के बच्चों में सबसे गंभीर होती है और इससे अक्सर अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ती है। काली खाँसी के कारण रक्तस्राव, अकड़न, न्युमोनिया, बेहोशी, दिमाग में सूजन, दिमाग में स्थाई क्षति और लंबे समय तक के लिए फेफड़ों की क्षति हो सकती है। काली खाँसी से संक्रमित छ: माह से कम उम्र के हरेक 200 बच्चों में से लगभग एक बच्चे की मृत्यु हो जाएगी।

काली खाँसी किसी संक्रमित व्यक्ति की खाँसी या छींक से निकलने वाली जीवाणु से हो सकती है। शिशुओं को माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य से मुख्यत: यह संक्रमण होता है।

डिप्थिरिया-टेटेनस-काली खाँसी का टीकाकरण

डिप्थिरिया, टेटेनस और काली खाँसी की रोकथाम एक सुरक्षित एवं प्रभावी संयुक्त टीके से की जा सकती है।

टीके में डिप्थिरिया और टेटेनस टॉक्सिन की छोटी मात्रा मौजूद होती है, जिन्हें हानिरहित करने के लिए संशोधित किया जाता है। इसमें एंटीबायोटिक्स (प्रतजैविकों) और परिरक्षकों की छोटी मात्राओं के साथ पर्टुसिस जीवाणु के विशुद्ध अंश भी शामिल होते हैं।

बच्चों को 18 महीने की आयु पर इस टीके की नि:शुल्क बूस्टर खुराक दी जानी चाहिए।

VICTORIA State Government | Health and Human Services

डिप्थिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके के संभावित दुष्प्रभाव

डिप्थिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके से होने वाली प्रतिक्रियाएँ रोगों से होने वाली समस्याओं से बहुत कम बार होती हैं।

सामान्य दुष्प्रभाव:

- चिड़चिड़ापन, रोना, अशांत और सामान्यत: नाखुश
- सुस्ती या थकावट
- हल्का बुखार
- सुई लगाने के स्थान पर पीड़ा, लालिमा और सूजन
- सुई लगाने के स्थान पर अस्थायी छोटी गांठ।

असामान्य दुष्प्रभाव:

- विशाल स्थानीय प्रतिक्रिया।

कभी-कभी डिप्थिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके की बूस्टर खुराक अंग पर लालिमा और सूजन की बहुत बड़ी स्थानीय प्रतिक्रिया पैदा कर सकती है।

इस प्रतिक्रिया की सूचना आपके टीकाकरण प्रदाता को दी जानी चाहिए और इसके लिए डॉक्टर के पास जाना पड़ सकता है।

अत्यंत दुर्लभ दुष्प्रभाव:

- गंभीर एलर्जी सम्बन्धी प्रतिक्रिया।

यदि हल्की प्रतिक्रियाएँ होती हैं, तो हो सकता है कि ये एक से दो दिन तक रहें। दुष्प्रभावों को निम्नलिखित करके कम किया जा सकता है:

- सुई लगाने के सूजे हुए स्थान पर ठंडा व गीला कपड़ा रखकर
- यदि आपकी संतान को बुखार है तो उसे अतिरिक्त पेय पदार्थ देकर और ज़रूरत से ज्यादा कपड़े न पहनाकर
- होने वाली किसी पीड़ा को कम करने के लिए अपनी संतान को पेरासिटामोल देकर (अपनी संतान की आयु के लिए सुझाई गई खुराक को ध्यान में रखें)
- यदि प्रतिक्रियाएँ गंभीर हों या लगातार हो रही हों, या आप चिंतित हों, तो अपने डॉक्टर या अस्पताल से संपर्क करें।

टीकाकरण से पूर्व की जांच-सूची

इससे पहले की आपकी संतान को टीका लगे, यदि निम्नलिखित में से कोई स्थिति लागू हो तो अपने डॉक्टर या नर्स को बताएँ:

☐ यदि आपकी संतान टीका लगने के दिन अस्वस्थ हो (38.5 ˚C से अधिक बुखार)।

☐ आपकी संतान को किसी टीके से गंभीर प्रतिक्रिया हुई हो।

☐ आपकी संतान को टीके के किसी संघटक (उदाहरणत: नियोमाइसिन)से गंभीर प्रतिक्रिया हुई हो।

अधिक जानकारी

निम्नलिखित वेबसाइटें अधिक जानकारी प्रदान करती हैं:

www.betterhealthchannel.vic.gov.au

www.immunise.health.gov.au

Interpreter

अनुवाद एवं दुभाषिया सेवा
131 450 पर फोन करें

इस दस्तावेज़ को सुलभ फॉर्मेट में प्राप्त करने के लिए immunisation@dhhs.vic.gov.au पर ई-मेल करें

विक्टोरियन सरकार, 1 Treasury Place, Melbourne.द्वारा प्राधिकृत एवं प्रकाशित।
© विक्टोरिया राज्य, Department of Health and Human Services, जनवरी 2016

IMMUNISE AUSTRALIA PROGRAM
An Australian, State and Territory Governments initiative

Diphtheria, tetanus, and pertussis (whooping cough)

Immunisation Information

The National Immunisation Program schedule provides free diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine to children at 18 months of age.

Diphtheria

Diphtheria is caused by bacteria which are found in the mouth, throat and nose. Diphtheria causes a membrane to grow around the inside of the throat. This can make it difficult to swallow, breathe and can even lead to suffocation.

The bacteria produce a poison which can spread around the body and cause serious complications such as paralysis and heart failure. Around 10 per cent of people who contract diphtheria die from it.

Diphtheria can be caught through coughs and sneezes from an infected person.

Tetanus

Tetanus is caused by bacteria which are present in soils, dust and manure. The bacteria can enter the body through a wound which may be as small as a pin prick. Tetanus cannot be passed from person to person.

Tetanus is an often fatal disease which attacks the nervous system. It causes muscle spasms first felt in the neck and jaw muscles. Tetanus can lead to breathing difficulties, painful convulsions and abnormal heart rhythms.

Because of the effective immunisation, tetanus is now rare in Australia, but it still occurs in people who have never been immunised against the disease or who have not had their booster vaccines.

Whooping cough

Whooping cough is a highly contagious disease which affects the air passages and breathing. The disease causes severe coughing spasms. Between these spasms, the child gasps for breath. Coughing spasms are often followed by vomiting and the cough can last for months.

Whooping cough is most serious in babies under 12 months of age and often requires admission to hospital. Whooping cough can lead to complications such as haemorrhage, convulsions, pneumonia, coma, inflammation of the brain, permanent brain damage and long term lung damage. Around one in every 200 children under six months of age who catches whooping cough will die.

Whooping cough can be caught through coughs and sneezes from an infected person. Parents and family members are the main source of infection for babies.

Diphtheria-tetanus-whooping cough immunisation

Diphtheria, tetanus and whooping cough can be prevented with a safe and effective combination vaccine.

The vaccine contains a small amount of diphtheria and tetanus toxins, which are modified to make them harmless. It also contains purified parts of the pertussis bacterium with small amounts of antibiotics and preservative.

Children should have a free booster dose of this vaccine at 18 months of age.

VICTORIA State Government | Health and Human Services

Possible side effects of diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine

Reactions to diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine are much less frequent than the complications of the diseases.

Common side effects:

- irritable, crying, unsettled and generally unhappy
- drowsiness or tiredness
- low grade fever
- soreness, redness and swelling at the injection site
- a temporary small lump at the injection site.

Uncommon side effect:

- large local reaction.

Sometimes a booster dose of diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine can cause a very large local reaction of redness and swelling to the limb.

This reaction should be reported to your immunisation provider and may require a visit to the doctor.

Extremely rare side effect:

- severe allergic reaction.

If mild reactions do occur, they may last one to two days. The side effects can be reduced by:

- placing a cold, wet cloth on the sore injection site
- giving extra fluids and not overdressing if your child has a fever
- giving your child paracetamol to reduce any discomfort (note the recommended dose for the age of your child)
- If reactions are severe or persistent, or if you are worried, contact your doctor or hospital.

Pre-immunisation checklist

Before your child is immunised, tell the doctor or nurse if any of the following apply:

☐ Are unwell on the day of immunisation (temperature over 38.5 ˚C).

☐ Have had a severe reaction to any vaccine.

☐ Have a severe allergy to any vaccine component (for example, neomycin).

Further information

The following websites offer further information:

www.betterhealthchannel.vic.gov.au

www.immunise.health.gov.au

Interpreter

Translating and interpreting service
Call 131 450

To receive this document in an accessible format email immunisation@dhhs.vic.gov.au

Authorised and published by the Victorian Government, 1 Treasury Place, Melbourne.
© State of Victoria, Department of Health and Human Services, January 2016

IMMUNISE AUSTRALIA PROGRAM
An Australian, State and Territory Governments initiative